श्री हरिविष्णु अवस्थी
टीकमगढ़, द्वारा
प्रदत्त पुस्तकें / पत्रिकायें

कुतबशतक और उसकी हिन्दुई

डॉ० माताप्रसाद गुप्त

भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

Scanned with OKEN Scanner

लोकोदय ग्रन्थमाला : ग्रन्थांक–२४३
सम्पादक एवं नियामक :
लक्ष्मीचन्द्र जैन

Lokodaya Series : Title No. 243

KUTAB SHATAK
AUR USKEE HINDUI

(Thesis)

Dr. MATAPRASAD GUPTA

Bharatiya Jnanpith
Publication

First Edition 1967

Price Rs. 7.00

©

भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

प्रधान कार्यालय
९, अलीपुर पार्क प्लेस, कलकत्ता-२७

प्रकाशन कार्यालय
दुर्गाकुण्ड मार्ग, वाराणसी-५

विक्रय-केन्द्र
३६२०।२१ नेताजी सुभाष मार्ग, दिल्ली-६

प्रथम संस्करण १९६७

मूल्य ७.००

सन्मति मुद्रणालय,
वाराणसी–५

Scanned with OKEN Scanner

विषय-सूची

भूमिका

१. प्रतियाँ १
२. पाठ-सम्पादन २
३. रचनाका नाम ४
४. रचयिताका नाम ४
५. रचना-तिथि ५
६. कथा-सार ५
७. रचनाकी ऐतिहासिकता ९
८. रचनाकी कथा-सम्पत्ति १०
९. रचनाकी भाव एवं विचार-सम्पत्ति १२
१०. रचनाकी काव्य-सम्पत्ति और शैली १३

कुतब शतक की हिन्दुई

१. 'कुतब शतक' की भाषा २५
२. 'कुतब शतक' के शब्द-रूप २६
३. 'कुतब शतक' की भाषा और 'राउल वेल' की टक्की ७३
४. वार्तिक तिलकके शब्द-रूप ८१
५. तुलनात्मक विवेचन १०१

कुतब शतक

पाठ और अर्थ १२५

कुतब शतक का वार्तिक तिलक

पाठ २०१–२०६

भारतीय ज्ञानपीठ

उद्देश्य

ज्ञानकी विलुप्त, अनुपलब्ध
और अप्रकाशित सामग्रीका
अनुसन्धान और प्रकाशन
तथा लोक-हितकारी
मौलिक साहित्यका निर्माण

संस्थापक
साहू शान्तिप्रसाद जैन

अध्यक्षा
श्रीमती रमा जैन

मुद्रक : सन्मति मुद्रणालय, दुर्गाकुण्ड मार्ग, वाराणसी-५

Scanned with OKEN Scanner